HINDI FILE

SIX SIGMA IAS

Dream | Dare | Deliver

DREAM FOR NATION | DARE TO SERVE | DELIVER WITH INTEGRITY

DAILY PRACTICE QUESTIONS

BEST FOR UPSC | UP PCS EXAM

DATE : JULY 9, 2026

Comprehensive Coverage | Exam-Focused Analysis | Concept Clarity & Insights | Practice MCQs with Explanation | Daily Updates, Better Results

CONTACT INFO:
+91 92896 33341 | +91 96679 33341

EMAIL ID:
info@sixsigmaias.com

WEB PAGE:
www.sixsigmaias.com

ADDRESS:
C-6, GROUND FLOOR, SECTOR 2,
NEAR SECTOR 15 METRO STATION, NOIDA – 201301, UTTAR PRADESH

दैनिक अभ्यास प्रश्न - स्थैतिक भाग से

1. अठारहवीं शताब्दी के उत्तरार्ध के दौरान भारत में ब्रिटिश क्षेत्रीय विस्तार के प्रारंभिक चरण के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. **दीवानी के अनुदान ने ईस्ट इंडिया कंपनी को राजस्व एकत्र करने में सक्षम बनाया, जबकि नागरिक प्रशासन की जिम्मेदारी औपचारिक रूप से नवाब के पास बनी रही।**
2. **द्वैध शासन (Dual Government) की प्रणाली ने ईस्ट इंडिया कंपनी को राजस्व संग्रह और सार्वजनिक प्रशासन दोनों के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार बनाकर उसकी प्रशासनिक जवाबदेही को मजबूत किया।**

उपरोक्त कथनों में से कितने सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) कोई भी कथन नहीं

(d) दोनों कथन

उत्तर: (a)

विस्तृत विवरण (Detailed Explanation):

- **कथन 1 सही है:** 1765 में दीवानी मिलने के बाद, ईस्ट इंडिया कंपनी को बंगाल, बिहार और उड़ीसा में राजस्व एकत्र करने का अधिकार प्राप्त हो गया। हालाँकि, नवाब निजामत के तहत प्रशासन का नाममात्र का प्रमुख बना रहा।
- **कथन 2 गलत है:** रॉबर्ट क्लाइव द्वारा शुरू किए गए द्वैध शासन के तहत, कंपनी ने प्रत्यक्ष प्रशासनिक जिम्मेदारी लिए बिना वित्तीय लाभों का आनंद लिया। जवाबदेही बढ़ाने के बजाय, इसने प्रशासनिक भ्रम पैदा किया और व्यापक कुशासन में योगदान दिया, जिसके परिणामस्वरूप वारेन हेस्टिंग्स द्वारा इसे समाप्त किए जाने से पहले गंभीर संकट पैदा हो गया था।

2. निम्नलिखित में से कौन सा एक विकल्प सबसे अच्छी व्याख्या करता है कि उष्णकटिबंधीय वर्षावन (Tropical Rainforests) आम तौर पर असाधारण रूप से उच्च जैव विविधता क्यों प्रदर्शित करते हैं?

(a) क्योंकि वे बार-बार प्राकृतिक आग का अनुभव करते हैं जो लगातार नए पारिस्थितिक तंत्र (ecological niches) का निर्माण करती है।

(b) क्योंकि वे लंबी भूगर्भीय अवधियों में जलवायु रूप से स्थिर रहे हैं, जिससे प्रजातियों का क्रमिक विशेषज्ञता (specialization) और सह-अस्तित्व संभव हुआ है।

(c) क्योंकि पोषक तत्वों से भरपूर मिट्टी पूरे वर्ष अनियंत्रित पौधों की वृद्धि का समर्थन करती है।

(d) क्योंकि मौसमी सूखा प्रमुख पौधों की प्रजातियों के बीच प्रतिस्पर्धी बहिष्कार (competitive exclusion) को रोकता है।

उत्तर: (b)

विस्तृत विवरण (Detailed Explanation):

उष्णकटिबंधीय वर्षावनों ने लाखों वर्षों में सापेक्ष जलवायु स्थिरता का अनुभव किया है। इस तरह की दीर्घकालिक स्थिरता ने प्रजातीकरण (speciation), आला विशेषज्ञता (niche specialization) और जटिल पारिस्थितिक अंतःक्रियाओं को बढ़ावा दिया है।

- तीव्र निक्षालन (leaching) के कारण उनकी मिट्टी आम तौर पर पोषक तत्वों से भरपूर नहीं बल्कि पोषक तत्वों से कम होती है; इसलिए, विकल्प (c) गलत है।
- बार-बार लगने वाली आग वर्षावनों के बजाय सवाना की विशेषता है।
- सच्चे उष्णकटिबंधीय वर्षावनों में मौसमी सूखा अनुपस्थित होता है।

3. मुद्रास्फीति (Inflation) और मौद्रिक नीति के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. **कोर मुद्रास्फीति (Core inflation) लगातार उच्च रहने पर भी हेडलाइन मुद्रास्फीति (Headline inflation) में गिरावट आ सकती है।**
2. **नीतिगत रेपो दर (policy repo rate) में वृद्धि से खाद्य कीमतों में कमी आकर मुद्रास्फीति तुरंत आवश्यक रूप से कम हो जाती है।**
3. **मुद्रास्फीति की प्रत्याशाएं (Inflation expectations) मजदूरी की वार्ताओं के साथ-साथ भविष्य के मूल्य-निर्धारण व्यवहार को भी प्रभावित करती हैं।**

उपरोक्त कथनों में से कितने सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीन

(d) कोई नहीं

उत्तर: (b)

विस्तृत विवरण (Detailed Explanation):

- **कथन 1 सही है:** खाद्य और ईंधन की कीमतें तेजी से गिर सकती हैं, जिससे हेडलाइन मुद्रास्फीति कम हो जाती है, जबकि अंतर्निहित कोर मुद्रास्फीति उच्च बनी रहती है।
- **कथन 2 गलत है:** मौद्रिक नीति मुख्य रूप से ब्याज दरों के माध्यम से कुल मांग को प्रभावित करती है। खाद्य मुद्रास्फीति अक्सर आपूर्ति-पक्ष के कारकों, मौसम की स्थिति या रसद (logistics) से प्रेरित होती है, जो रेपो दर में बदलावों के प्रति तुरंत प्रतिक्रिया नहीं दे सकती है।
- **कथन 3 सही है:** मुद्रास्फीति की प्रत्याशाएं मजदूरी की सौदेबाजी, उत्पादन लागत और फर्मों के भविष्य के मूल्य-निर्धारण निर्णयों का एक प्रमुख निर्धारक हैं। यही कारण है कि केंद्रीय बैंक मुद्रास्फीति की प्रत्याशाओं को स्थिर करने पर महत्वपूर्ण जोर देते हैं।

4. भारत में संवैधानिक शासन के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. **प्रत्येक धन विधेयक (Money Bill) अनिवार्य रूप से एक वित्त विधेयक (Financial Bill) होता है।**
2. **धन विधेयक का अध्यक्ष (Speaker) का प्रमाणीकरण संसदीय प्रक्रिया के भीतर अंतिम होता है।**
3. **राज्यसभा धन विधेयक में संशोधनों की सिफारिश कर सकती है लेकिन उसे अस्वीकार या संशोधित नहीं कर सकती।**
4. **धन विधेयक केवल राष्ट्रपति की सिफारिश के बाद ही पेश किया जा सकता है।**

उपरोक्त कथनों में से कितने सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) केवल तीन

(d) सभी चार

उत्तर: (d)

विस्तृत विवरण (Detailed Explanation):

- **कथन 1 सही है:** धन विधेयक, वित्त विधेयकों की व्यापक श्रेणी के भीतर एक विशिष्ट श्रेणी है।
- **कथन 2 सही है:** अनुच्छेद 110(3) के तहत, कोई विधेयक धन विधेयक है या नहीं, इस पर अध्यक्ष का निर्णय संसदीय उद्देश्यों के लिए अंतिम होता है।
- **कथन 3 सही है:** राज्यसभा केवल चौदह दिनों के भीतर सिफारिशें कर सकती है; लोकसभा उन्हें स्वीकार या अस्वीकार कर सकती है।
- **कथन 4 सही है:** अनुच्छेद 117 के साथ पढ़े गए अनुच्छेद 110 के तहत, धन विधेयक केवल राष्ट्रपति की सिफारिश पर और केवल लोकसभा में ही पेश किया जा सकता है।

5. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

- **कथन (Assertion - A):** प्रमुख पर्वत श्रृंखलाओं के पवनविमुख (leeward - ओट वाले) किनारे पर स्थित क्षेत्रों में अक्सर पास के पवनाभिमुख (windward - हवा के सामने वाले) क्षेत्रों की तुलना में काफी कम वर्षा होती है।
- **कारण I (Reason I):** नम हवा पवनाभिमुख ढलान पर चढ़ते समय अपनी अधिकांश नमी खो देती है, जिससे पवनविमुख किनारे पर नीचे उतरने वाली हवा अपेक्षाकृत गर्म और शुष्क हो जाती है।
- **कारण II (Reason II):** नीचे उतरने वाली हवा एडियाबेटिक संपीड़न (adiabatic compression) से गुजरती है, जिससे इसकी सापेक्ष आर्द्रता कम हो जाती है और बादलों का निर्माण रुक जाता है।

निम्नलिखित में से कौन सा एक सही है?

(a) A सही है, कारण I सही है लेकिन कारण II गलत है।

(b) A सही है, कारण II सही है लेकिन कारण I गलत है।

(c) A, कारण I और कारण II सभी सही हैं, और दोनों कारण कथन (A) की सही व्याख्या करते हैं।

(d) A गलत है, लेकिन दोनों कारण सही हैं।

उत्तर: (c)

विस्तृत विवरण (Detailed Explanation):

- **कथन (A) सही है।** इस घटना को वृष्टि-छाया प्रभाव (rain shadow effect) के रूप में जाना जाता है।
- **कारण I सही है।** पर्वतीय उत्थान (Orographic uplift) के कारण नमी से भरी हवाएं पवनाभिमुख दिशा में ठंडी, संघनित होकर वर्षा करती हैं। जब तक हवा पवनविमुख ढलान से नीचे उतरती है, तब तक उसकी अधिकांश नमी पहले ही नष्ट हो चुकी होती है।
- **कारण II भी सही है।** जैसे ही हवा नीचे उतरती है, यह संकुचित होती है और एडियाबेटिक रूप से गर्म होती है, जिससे सापेक्ष आर्द्रता कम हो जाती है और आगे संघनन तथा वर्षा रुक जाती है।

संयुक्त रूप से, दोनों कारण व्यापक रूप से व्याख्या करते हैं कि पवनविमुख क्षेत्र तुलनात्मक रूप से शुष्क क्यों होते हैं।

दैनिक अभ्यास प्रश्न – करंट अफेयर्स अनुभाग से

1. पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के तहत अधिसूचित पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्र (Ecologically Sensitive Area - ESA) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्र की घोषणा अधिसूचित क्षेत्र को वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के प्रावधानों के तहत स्वचालित रूप से एक संरक्षित क्षेत्र (Protected Area) में बदल देती है।
2. केंद्र सरकार पारिस्थितिक महत्व के आधार पर, पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्र के भीतर विभिन्न गतिविधियों के लिए निषेध, प्रतिबंध या सशर्त अनुमति सहित विभिन्न नियामक व्यवस्थाएं निर्धारित कर सकती है।

उपरोक्त कथनों में से कितने सही हैं?

(a) केवल एक
(b) केवल दो
(c) कोई भी कथन नहीं
(d) दोनों कथन

उत्तर: (a)

विस्तृत विवरण (Detailed Explanation):

- **कथन 1 गलत है:** एक पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्र (ESA) को पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के तहत अधिसूचित किया जाता है, और यह केवल ऐसी अधिसूचना द्वारा वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के तहत राष्ट्रीय उद्यान, वन्यजीव अभयारण्य या संरक्षण रिजर्व नहीं बन जाता है।
- **कथन 2 सही है:** ईएसए (ESA) अधिसूचनाएं आम तौर पर गतिविधियों को निषिद्ध (Prohibited), विनियमित (Regulated) और अनुमेय (Permissible) श्रेणियों में वर्गीकृत करती हैं। केंद्र सरकार के पास पारिस्थितिक संवेदनशीलता के आधार पर विनियमन की विभिन्न डिग्री निर्धारित करने का लचीलापन होता है।

2. निम्नलिखित में से किस विकास ने भारत को अपने वैश्विक प्रतिस्पर्धियों को पछाड़कर 2025 में दुनिया का अग्रणी जहाज पुनर्चक्रण (ship recycling) देश बनने में सक्षम बनाया?

(a) अंतर्राष्ट्रीय समुद्री कानून के तहत भारत से बाहर विदेशी ध्वज वाले जहाजों को तोड़ने पर अनिवार्य प्रतिबंध।
(b) आधुनिक पुनर्चक्रण बुनियादी ढांचे का विस्तार, अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरणीय मानकों का अनुपालन और पुराने वैश्विक बेड़े का भारतीय यार्डों की ओर झुकाव।
(c) पूरी तरह से स्वचालित रोबोटिक जहाज-तोड़ने की सुविधाओं के साथ मैनुअल रूप से जहाज तोड़ने की प्रक्रिया का पूर्ण प्रतिस्थापन।
(d) विशेष कानूनी एकाधिकार का आनंद लेने वाले एकल सरकारी स्वामित्व वाले जहाज पुनर्चक्रण निगम की स्थापना।
उत्तर: (b)
विस्तृत विवरण (Detailed Explanation):
भारत काफी हद तक निम्नलिखित कारणों से दुनिया का सबसे बड़ा जहाज पुनर्चक्रण देश बन गया:

- अलंग (Alang) यार्डों का आधुनिकीकरण।
- हांगकांग अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन (Hong Kong International Convention) के सिद्धांतों का बेहतर अनुपालन।
- बेहतर पर्यावरणीय सुरक्षा उपाय।
- अनुकूल बाजार स्थितियों के कारण पुराने जहाजों के आगमन में वृद्धि।
- ऐसा कोई अंतर्राष्ट्रीय कानून नहीं है जो सभी जहाजों को केवल भारत में ही तोड़े जाने के लिए बाध्य करता हो।
- जहाज पुनर्चक्रण में अभी भी महत्वपूर्ण मैनुअल (मानवीय) कार्य शामिल हैं।
- यह क्षेत्र मुख्य रूप से निजी तौर पर संचालित है।

3. सबसे बड़ी हड़प्पाई बस्तियों में से एक, राखीगढी के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. उत्खनन (Excavations) से संकेत मिलता है कि राखीगढ़ी परिपक्व हड़प्पा चरण (Mature Harappan phase) से संबंधित था और साथ ही इसमें प्रारंभिक विकासात्मक चरणों के साक्ष्य भी सुरक्षित हैं।
2. उत्खनित अवशेषों पर किए गए प्राचीन डीएनए (DNA) अध्ययनों ने इस समझ को मजबूत किया है कि हड़प्पा की आबादी का विकास जटिल स्थानीय प्रक्रियाओं के माध्यम से हुआ था, न कि इसे केवल परिपक्व हड़प्पा काल के दौरान बड़े पैमाने पर हुए प्रवासन द्वारा समझाया जा सकता है।
3. राखीगढ़ी से ऐसे साक्ष्य मिले हैं जो बताते हैं कि परिपक्व हड़प्पा चरण के दौरान लौह धातु कर्म (iron metallurgy) पहले से ही व्यापक हो चुका था।

उपरोक्त कथनों में से कितने सही हैं?
(a) केवल एक
(b) केवल दो
(c) सभी तीन
(d) कोई नहीं
उत्तर: (b)

विस्तृत विवरण (Detailed Explanation):

- **कथन 1 सही है:** राखीगढ़ी में प्रारंभिक (Early) और साथ ही परिपक्व (Mature) हड़प्पा चरणों के साक्ष्य मौजूद हैं।
- **कथन 2 सही है:** हाल के पुरातत्व-आनुवंशिक (archaeogenetic) अध्ययनों ने हड़प्पा सभ्यता के जनसंख्या सातत्य (population continuity) और स्वदेशी विकास के संबंध में बहसों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।
- **कथन 3 गलत है:** हड़प्पा सभ्यता कांस्य युग (Bronze Age) से संबंधित थी। लौह प्रौद्योगिकी बहुत बाद में व्यापक हुई।

4. "चलने का अधिकार एक मौलिक अधिकार है" (Right to Walk is a Fundamental Right) की हालिया न्यायिक मान्यता के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इस अधिकार की व्याख्या संविधान के अनुच्छेद 21 के एक अभिन्न अंग के रूप में की गई है।
2. यह न्यायिक व्याख्या सार्वजनिक अधिकारियों पर उचित रूप से सुरक्षित और सुलभ पैदल यात्री बुनियादी ढांचा (pedestrian infrastructure) सुनिश्चित करने का एक अनुरूप दायित्व डालती है।
3. यह निर्णय लोक व्यवस्था (public order) या सुरक्षा के कारणों से पैदल यात्रियों की आवाजाही को प्रतिबंधित करने के खिलाफ एक पूर्ण संवैधानिक निषेध बनाता है।

उपरोक्त कथनों में से कितने सही हैं?

(a) केवल एक
(b) केवल दो
(c) सभी तीन
(d) कोई नहीं

उत्तर: (b)

विस्तृत विवरण (Detailed Explanation):

- **कथन 1 सही है:** अदालतों ने पैदल चलने वालों की गतिशीलता को अनुच्छेद 21 के तहत जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की संवैधानिक गारंटी से जोड़ा है।
- **कथन 2 सही है:** यह निर्णय पैदल यात्री-केंद्रित शहरी नियोजन और सुरक्षित सार्वजनिक बुनियादी ढांचे पर जोर देता है।
- **कथन 3 गलत है:** असाधारण परिस्थितियों में, जैसे कि सार्वजनिक सुरक्षा और सुरक्षा के लिए, अनुच्छेद 21 के तहत मौलिक अधिकार संवैधानिक रूप से वैध प्रतिबंधों के अधीन बने रहते हैं।

5. रास लफ्फान गैस सुविधा (The Ras Laffan Gas Facility) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. रास लफ्फान कतर के पूर्वी तट पर स्थित है और दुनिया के सबसे बड़े एकीकृत एलएनजी (LNG) निर्यात और प्रसंस्करण केंद्रों में से एक है।
2. यह सुविधा अपनी प्राथमिक गैस आपूर्ति नॉर्थ फील्ड (North Field) से प्राप्त करती है, जो ईरान के साउथ पार्स (South Pars) क्षेत्र के साथ एक सतत भूगर्भीय जलाशय बनाता है।
3. रास लफ्फान सुविधाओं के विस्तार से वैश्विक एलएनजी बाजार में कतर की स्थिति मजबूत होने और भारत सहित प्रमुख एलएनजी आयातक देशों के लिए दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा प्रभावित होने की उम्मीद है।
4. रास लफ्फान मुख्य रूप से होर्मुज जलडमरू मध्य (Strait of Hormuz) के माध्यम से निर्यात किए जाने वाले कच्चे तेल को संसाधित करता है और तरलीकृत प्राकृतिक गैस (LNG) व्यापार में इसका केवल मामूली महत्व है।

उपरोक्त कथनों में से कितने सही हैं?

(a) केवल एक
(b) केवल दो
(c) केवल तीन
(d) सभी चार

उत्तर: (c)

विस्तृत विवरण (Detailed Explanation):

- **कथन 1 सही है:** रास लफ्फान इंडस्ट्रियल सिटी दुनिया के सबसे बड़े एलएनजी परिसरों में से एक है।
- **कथन 2 सही है:** कतर का नॉर्थ फील्ड और ईरान का साउथ पार्स मिलकर दुनिया का सबसे बड़ा ज्ञात गैर-संबद्ध प्राकृतिक गैस जलाशय (non-associated natural gas reservoir) बनाते हैं।
- **कथन 3 सही है:** चल रही विस्तार परियोजनाएं कतर की एलएनजी निर्यात क्षमता को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाती हैं, जिससे भारत जैसे ऊर्जा आयातक देशों को लाभ होता है।
- **कथन 4 गलत है:** रास लफ्फान मुख्य रूप से एक एलएनजी प्रसंस्करण और निर्यात केंद्र है, न कि एक कच्चा तेल प्रसंस्करण केंद्र।

6. चापेकर बंधुओं (Chapekar Brothers) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. उन्होंने दमनकारी प्लेग प्रशासन के विरोध में पुणे प्लेग समिति के अध्यक्ष डब्ल्यू.सी. रैंड (W.C. Rand) की हत्या कर दी थी।
2. उनकी क्रांतिकारी कार्रवाई अभिनव भारत जैसे संगठित क्रांतिकारी समूहों के गठन से पहले की है।
3. उनकी गतिविधियों के कारण प्रत्यक्ष रूप से भारत रक्षा अधिनियम, 1915 (Defence of India Act, 1915) लागू हुआ।

उपरोक्त कथनों में से कितने सही हैं?

(a) केवल एक
(b) केवल दो
(c) सभी तीन
(d) कोई नहीं

उत्तर: (b)

विस्तृत विवरण (Detailed Explanation):

- **कथन 1 सही है:** दामोदर, बालकृष्ण और वासुदेव चापेकर ने 1897 में डब्ल्यू.सी. रैंड की हत्या कर दी थी।
- **कथन 2 सही है:** उनके इस कृत्य ने बाद के क्रांतिकारी संगठनों को प्रेरित किया, जिसमें वी.डी. सावरकर द्वारा स्थापित अभिनव भारत भी शामिल था।
- **कथन 3 गलत है:** भारत रक्षा अधिनियम, 1915 मुख्य रूप से प्रथम विश्व युद्ध के दौरान गदर आंदोलन जैसी क्रांतिकारी गतिविधियों से निपटने के लिए लागू किया गया था, न कि विशेष रूप से चापेकर घटना के कारण।

7. कूनो राष्ट्रीय उद्यान (Kuno National Park) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह मध्य भारत के चंबल नदी बेसिन में स्थित है।
2. कूनो नदी इस राष्ट्रीय उद्यान से होकर बहती है।
3. अफ्रीकी चीता पुनरुत्पादन कार्यक्रम (African Cheetah reintroduction programme) का गंतव्य बनने से पहले, इसे मूल रूप से एशियाई शेरों के पुनरुत्पादन के लिए एक संभावित स्थल के रूप में पहचाना गया था।

निम्नलिखित में से कौन सा एक सही है?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 3
(d) 1, 2 और 3
उत्तर: (d)
विस्तृत विवरण (Detailed Explanation):

- **कथन 1 सही है:** कूनो राष्ट्रीय उद्यान मध्य प्रदेश में चंबल बेसिन के भीतर स्थित है।
- **कथन 2 सही है:** कूनो नदी, जो चंबल की एक सहायक नदी है, इस संरक्षित क्षेत्र से होकर बहती है।
- **कथन 3 सही है:** कूनो को मूल रूप से एशियाई शेर स्थानांतरण परियोजना के लिए तैयार किया गया था। इसके बाद, यह भारत के ऐतिहासिक अफ्रीकी चीता पुनरुत्पादन कार्यक्रम का स्थल बना।

यूपीएससी ट्रैप (UPSC Trap): उम्मीदवार अक्सर कूनो राष्ट्रीय उद्यान (मध्य प्रदेश) को गांधी सागर वन्यजीव अभयारण्य (मध्य प्रदेश) के साथ भ्रमित कर देते हैं, जो चीता स्थानांतरण के लिए चुना गया एक अन्य स्थल है, या गलत तरीके से कूनो को चंबल बेसिन के बजाय नर्मदा बेसिन से जोड़ देते हैं।

दैनिक अभ्यास हेतु विषय आधारित प्रश्न

सामान्य अध्ययन (GS-I)

स्रोत: NCERT कक्षा XII – भारतीय इतिहास के कुछ विषय भाग III (अध्याय 5: महात्मा गांधी और राष्ट्रीय आंदोलन)

प्रश्न 1. "भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन की ताकत केवल राजनीतिक लामबंदी (mobilization) में नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना को बदलने की उसकी क्षमता में निहित थी।" गांधीवादी आंदोलनों के विशेष संदर्भ में इस कथन का परीक्षण कीजिए। (15 अंक)

आदर्श उत्तर (Sample Answer)

महात्मा गांधी के नेतृत्व में भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन ने उपनिवेशवाद-विरोधी संघर्ष के स्वरूप में एक गहरा बदलाव प्रदर्शित किया। गांधीजी के आगमन से पहले, यह आंदोलन काफी हद तक शिक्षित संभ्रांत वर्ग (एलीट) तक ही सीमित था। गांधीजी ने राजनीतिक उद्देश्यों को सामाजिक सुधार के साथ जोड़कर इसे एक जन आंदोलन में बदल दिया, जिससे विभिन्न क्षेत्रों, वर्गों, जातियों और समुदायों में सार्वजनिक चेतना का कायाकल्प हुआ।

गांधीजी के सबसे बड़े योगदानों में से एक राष्ट्रवाद का लोकतांत्रीकरण था। असहयोग आंदोलन, सविनय अवज्ञा आंदोलन और भारत छोड़ो आंदोलन जैसे आंदोलनों के माध्यम से आम किसान, महिलाएं, श्रमिक और छात्र स्वतंत्रता संग्राम के सक्रिय भागीदार बने। इसने भारतीय राष्ट्रवाद के सामाजिक आधार को व्यापक बना दिया।

गांधीजी ने राजनीतिक स्वतंत्रता को नैतिक उत्थान से भी जोड़ा। अस्पृश्यता के खिलाफ अभियान, खादी को बढ़ावा, ग्रामीण उद्योग, सांप्रदायिक सद्भाव और महिलाओं की भागीदारी केवल सामाजिक सुधार नहीं थे, बल्कि राष्ट्र-निर्माण के

उपकरण थे। उनकी 'स्वराज' की अवधारणा राजनीतिक स्वतंत्रता से आगे बढ़कर आत्मनिर्भरता, नैतिक जिम्मेदारी और सहभागी लोकतंत्र तक विस्तृत थी।

स्वच्छता, ग्रामीण शिक्षा और स्थानीय शिल्पों को बढ़ावा देने जैसे रचनात्मक कार्यक्रमों ने राजनीतिक लामबंदी के साथ-साथ सामाजिक जागरूकता पैदा की। गांधीजी ने अहिंसा और सत्य को प्रतिरोध तथा चरित्र-निर्माण दोनों के साधनों के रूप में रेखांकित किया, जिससे जन-राजनीति में नैतिक वैधता का समावेश हुआ।

हालाँकि, कुछ सीमाएँ बनी रहीं। अस्पृश्यता-विरोधी अभियानों के बावजूद जातिगत भेदभाव बना रहा, बाद के वर्षों में सांप्रदायिक विभाजन तीव्र हो गया, और कई सामाजिक-आर्थिक असमानताएँ अनसुलझी रहीं।

कुल मिलाकर, गांधीजी ने राष्ट्रवाद को एक व्यापक सामाजिक आंदोलन में बदल दिया जिसने भारतीय समाज को एक नया आकार दिया। उनकी विरासत केवल स्वतंत्रता प्राप्त करने में नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक भागीदारी और नैतिक सार्वजनिक जीवन के प्रति प्रतिबद्ध एक राजनीतिक रूप से जागरूक नागरिक समाज के निर्माण में निहित है।

सामान्य अध्ययन (GS-II)

स्रोत: NCERT कक्षा XII – स्वतंत्रता के बाद भारत में राजनीति (अध्याय 8: भारतीय राजनीति में हालिया बदलाव)

प्रश्न 2. न्यायिक सक्रियता (Judicial activism) भारत में संवैधानिक शासन के एक महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में उभरी है। इसके योगदान और सीमाओं का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए। (15 अंक)

आदर्श उत्तर (Sample Answer)

न्यायिक सक्रियता से तात्पर्य न्यायपालिका द्वारा संवैधानिक मूल्यों और मौलिक अधिकारों की रक्षा के लिए संविधान की सक्रिय व्याख्या करने से है। भारत में, इसने शासन व्यवस्था को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित किया है, विशेष रूप से वहाँ जहाँ कार्यपालिका या विधायिका की कार्रवाई अपर्याप्त रही है।

न्यायपालिका ने अनुच्छेद 21 के दायरे का विस्तार करके इसमें गरिमा, शिक्षा, पर्यावरण, कानूनी सहायता, निजता और स्वच्छ परिवेश से जुड़े अधिकारों को शामिल किया है। जनहित याचिका (PIL) ने हाशिए पर मौजूद समुदायों को न्याय तक पहुँचने में सक्षम बनाया है। ऐतिहासिक न्यायिक हस्तक्षेपों ने पर्यावरण संरक्षण, चुनावी पारदर्शिता, जेल सुधार और लैंगिक न्याय को मजबूत किया है।

न्यायिक सक्रियता ने 'मूल संरचना के सिद्धांत' (Basic Structure Doctrine) जैसे सिद्धांतों के विकास के माध्यम से संवैधानिक नैतिकता को भी सुदृढ़ किया है, जिससे यह सुनिश्चित हुआ कि संवैधानिक संशोधन संविधान की आवश्यक विशेषताओं को कमजोर न करें।

हालाँकि, अत्यधिक न्यायिक हस्तक्षेप कभी-कभी शक्तियों के पृथक्करण (separation of powers) के संबंध में चिंताएँ पैदा करता है। अदालतें कभी-कभी नीति निर्माण, प्रशासनिक निर्णयों और बजटीय प्राथमिकताओं से जुड़े क्षेत्रों में प्रवेश कर जाती हैं जो पारंपरिक रूप से चुनी हुई सरकारों को सौंपे गए हैं। कार्यपालिका के कार्यों की बार-बार न्यायिक निगरानी संस्थागत सीमाओं को धुंधला कर सकती है।

एक अन्य चिंता जनहित याचिकाओं (PIL) को स्वीकार करने के असंगत मानकों और सामान्य मामलों के निपटारे में होने वाली देरी से संबंधित है। न्यायिक अतिरेक (Judicial overreach) चुनी हुई संस्थाओं को कठिन नीतिगत निर्णयों से बचने की अनुमति देकर उनकी जवाबदेही को भी कम कर सकता है।

इन चिंताओं के बावजूद, न्यायिक सक्रियता ने आम तौर पर अधिकारों की रक्षा करके और जवाबदेही को बढ़ावा देकर संवैधानिक शासन को मजबूत किया है। चुनौती उस संस्थागत संतुलन को बनाए रखने में है जहाँ न्यायपालिका कार्यपालिका और विधायिका की वैध भूमिकाओं को प्रतिस्थापित किए बिना एक सक्रिय संवैधानिक रक्षक बनी रहे।

सामान्य अध्ययन (GS-III)

स्रोत: NCERT कक्षा XII – भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास (अध्याय 4: भारत में मानव पूंजी निर्माण)

प्रश्न 3. एक विकसित अर्थव्यवस्था बनने की भारत की आकांक्षा जितनी भौतिक बुनियादी ढांचे (physical infrastructure) पर निर्भर करती है, उतनी ही मानव पूंजी (human capital) पर भी निर्भर करती है। चर्चा कीजिए। (15 अंक)

आदर्श उत्तर (Sample Answer)

आर्थिक विकास तेजी से ज्ञान, नवाचार (innovation) और कुशल मानव संसाधनों पर निर्भर होता जा रहा है। जहाँ सड़कें, बंदरगाह और बिजली जैसे बुनियादी ढांचे उत्पादकता को बढ़ाते हैं, वहीं मानव पूंजी यह निर्धारित करती है कि इन संपत्तियों का उपयोग कितनी दक्षता के साथ किया जाता है।

शिक्षा में निवेश श्रम उत्पादकता, तकनीकी अनुकूलन और नवाचार में सुधार करता है। स्वस्थ आबादी उच्च कार्यबल भागीदारी और उत्पादकता के नुकसान को कम करने में योगदान देती है। कौशल विकास उद्योगों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI), रोबोटिक्स और हरित विनिर्माण (green manufacturing) सहित तेजी से बदलती प्रौद्योगिकियों के अनुकूल होने में सक्षम बनाता है।

भारत के पास दुनिया की सबसे युवा आबादी में से एक है। यह जनसांख्यिकीय लाभांश (demographic dividend) एक बड़ा आर्थिक लाभ बन सकता है यदि इसे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, व्यावसायिक प्रशिक्षण और रोजगार सृजन का समर्थन प्राप्त हो। 'स्किल इंडिया', 'डिजिटल इंडिया' और 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति' (NEP) जैसी पहल कौशल अंतर को पाटने का प्रयास करती हैं।

भौतिक बुनियादी ढांचा भी उतना ही आवश्यक बना हुआ है। कुशल रसद (logistics), विश्वसनीय बिजली, डिजिटल कनेक्टिविटी और शहरी बुनियादी ढांचा उत्पादन लागत को कम करते हैं और प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार करते हैं। आधुनिक बुनियादी ढांचा विदेशी निवेश को भी आकर्षित करता है और 'मेक इन इंडिया' जैसी पहलों के तहत विनिर्माण को मजबूत करता है।

हालाँकि, कुशल श्रमिकों के बिना बुनियादी ढांचे का परिणाम अक्सर कम उपयोग के रूप में होता है, जबकि पर्याप्त बुनियादी ढांचे के बिना कुशल श्रमिकों को सीमित उत्पादक अवसरों का सामना करना पड़ता है। इसलिए, दोनों क्षेत्रों में संतुलित निवेश आवश्यक है। शिक्षा के परिणाम (learning outcomes), क्षेत्रीय असमानताएं, शिक्षित युवाओं में बेरोजगारी, स्वास्थ्य सेवा में कमियां और असमान डिजिटल पहुंच जैसी चुनौतियां अभी भी बनी हुई हैं।

एक विकसित भारत के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, अनुसंधान, नवाचार, औद्योगिक बुनियादी ढांचे और शासन व्यवस्था में एक साथ प्रगति की आवश्यकता है। मानव पूंजी बुनियादी ढांचे को उत्पादक संपत्तियों में बदल देती है, जिससे दोनों दीर्घकालिक आर्थिक विकास के पूरक स्तंभ बन जाते हैं।

सामान्य अध्ययन (GS-IV)

स्रोत: नीतिशास्त्र, सत्यनिष्ठा और अभिरुचि (मानक यूपीएससी GS-IV संदर्भ)

प्रश्न 4. सत्यनिष्ठा (Integrity) की परीक्षा सामान्य परिस्थितियों में नहीं, बल्कि तब होती है जब व्यक्तिगत हित का सार्वजनिक कर्तव्य के साथ टकराव होता है। उपयुक्त उदाहरणों के साथ स्पष्ट कीजिए। (10 अंक)

आदर्श उत्तर (Sample Answer)

सत्यनिष्ठा मूल्यों, निर्णयों और कार्यों के बीच निरंतरता को दर्शाती है। यह व्यक्तियों से नैतिक सिद्धांतों को बनाए रखने की मांग करती है, भले ही ऐसा करने में व्यक्तिगत बलिदान शामिल हो। सार्वजनिक प्रशासन विशेष रूप से सत्यनिष्ठा की मांग करता है क्योंकि सार्वजनिक विश्वास निष्पक्ष और ईमानदार निर्णय लेने पर निर्भर करता है।

व्यक्तिगत हित और सार्वजनिक कर्तव्य के बीच टकराव तब पैदा होता है जब राजनीतिक दबाव, वित्तीय प्रलोभन, पक्षपात या हितों के टकराव (conflict of interest) जैसी स्थितियाँ शामिल होती हैं। एक अधिकारी जो करियर के जोखिमों के बावजूद अवैध निर्देशों को मानने से इनकार करता है, वह सत्यनिष्ठा प्रदर्शित करता है। इसी तरह, अपने ही विभाग के भीतर भ्रष्टाचार को उजागर करना व्यक्तिगत सुविधा के बजाय संवैधानिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

सत्यनिष्ठा संस्थागत विश्वसनीयता को मजबूत करती है, निष्पक्षता को बढ़ावा देती है और सार्वजनिक संसाधनों के दुरुपयोग को हतोत्साहित करती है। यह सुनिश्चित करके कि आधिकारिक निर्णय व्यक्तिगत लाभ के बजाय कानून और नैतिकता द्वारा निर्देशित हों, यह जवाबदेही और पारदर्शिता को पूरक बनाती है।

नैतिक निर्णय लेने के लिए अक्सर साहस की आवश्यकता होती है। ईमानदार अधिकारियों को तबादलों, आलोचना या पेशेवर अलगाव का सामना करना पड़ सकता है। बहरहाल, सत्यनिष्ठा शासन में नागरिकों के विश्वास को सुदृढ़ करके दीर्घकालिक संस्थागत मजबूती में योगदान देती है।

ऐतिहासिक उदाहरणों में वे लोक सेवक शामिल हैं जिन्होंने आपातकाल के दौरान गैर-कानूनी आदेशों का विरोध किया या प्रतिकूल परिणामों के बावजूद खरीद (procurement) में अनियमितताओं को उजागर किया। दैनिक उदाहरणों में छात्रों का निष्पक्ष मूल्यांकन करने वाले शिक्षक, अनावश्यक चिकित्सा प्रक्रियाओं को अस्वीकार करने वाले डॉक्टर और निर्णयों को प्रभावित करने वाले उपहारों को मना करने वाले सार्वजनिक अधिकारी शामिल हैं।

सत्यनिष्ठा को नैतिक नेतृत्व, पारदर्शी प्रणालियों, व्हिसलब्लोअर (सत्य उजागर करने वाले) संरक्षण और मजबूत संस्थागत तंत्र द्वारा समर्थित किया जाना चाहिए। केवल प्रशिक्षण ही सत्यनिष्ठा का निर्माण नहीं कर सकता जब तक कि संगठन नैतिक व्यवहार को पुरस्कृत न करें।

अंततः, सत्यनिष्ठा सुशासन की नींव है क्योंकि यह सार्वजनिक प्राधिकरण को संवैधानिक नैतिकता और जन कल्याण के साथ जोड़ती है। यह नैतिक सिद्धांतों को व्यावहारिक प्रशासनिक आचरण में बदल देती है।

समसामयिक मामले (Current Affairs)

विषय: रैंक और परिणामों से परे: भारत में छात्र मानसिक स्वास्थ्य के नैतिक संकट का समाधान

प्रश्न 5. छात्र मानसिक स्वास्थ्य केवल एक चिकित्सा मुद्दा होने के बजाय एक नैतिक, शैक्षणिक और शासन संबंधी चुनौती के रूप में उभरा है। आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए। इस संकट के समाधान के लिए भारत में एक बहुआयामी रणनीति का सुझाव दीजिए। (15 अंक)

आदर्श उत्तर (Sample Answer)

बढ़ते शैक्षणिक दबाव, तीव्र प्रतिस्पर्धा, डिजिटल एक्सपोजर, सामाजिक अपेक्षाओं और करियर के संबंध में अनिश्चितता के कारण भारत में छात्र मानसिक स्वास्थ्य एक प्रमुख सार्वजनिक नीति चिंता बन गया है। चिंता, अवसाद और छात्र

आत्महत्याओं के बढ़ते मामले बताते हैं कि यह मुद्दा केवल स्वास्थ्य सेवा तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके लिए नैतिक, शैक्षणिक और संस्थागत प्रतिक्रियाओं की आवश्यकता है।

नैतिक दृष्टिकोण से, प्रत्येक छात्र के पास गरिमा, भावनात्मक कल्याण और समान शैक्षणिक अवसर का अधिकार है। एक ऐसी शिक्षा प्रणाली जो समग्र विकास (holistic development) के बजाय परीक्षा के अंकों को महत्व देती है, अनजाने में इन सिद्धांतों को कमजोर कर सकती है। अत्यधिक माता-पिता की अपेक्षाएं, सामाजिक तुलना और मानसिक बीमारी से जुड़ा कलंक (stigma) मनोवैज्ञानिक संकट को और बढ़ा देता है।

शैक्षणिक संस्थानों में अक्सर प्रशिक्षित परामर्शदाताओं (counsellors), संरचित भावनात्मक शिक्षण कार्यक्रमों और प्रारंभिक हस्तक्षेप तंत्र (early intervention mechanisms) की कमी होती है। शिक्षक मुख्य रूप से शैक्षणिक परिणामों पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जबकि भावनात्मक विकास पर तुलनात्मक रूप से सीमित ध्यान दिया जाता है।

शासन (Governance) के परिप्रेक्ष्य से, छात्रों के कल्याण में सुधार के लिए स्कूलों, विश्वविद्यालयों, परिवारों, स्वास्थ्य पेशेवरों और सरकारों के बीच समन्वित कार्रवाई की आवश्यकता है। नीतियों को स्कूल परामर्श सेवाओं को मजबूत करना चाहिए, गोपनीय मानसिक स्वास्थ्य सहायता प्रणाली स्थापित करनी चाहिए, जीवन कौशल और भावनात्मक बुद्धिमत्ता (emotional intelligence) को पाठ्यक्रम में एकीकृत करना चाहिए, सहकर्मी-समर्थन (peer-support) कार्यक्रमों को बढ़ावा देना चाहिए और पेशेवर देखभाल के लिए समय पर रेफरल सुनिश्चित करना चाहिए।

प्रौद्योगिकी गुमनाम परामर्श (anonymous counselling), टेली-मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं और संवेदनशील छात्रों की प्रारंभिक पहचान का समर्थन कर सकती है, जबकि साइबरबुलिंग और हानिकारक डिजिटल सामग्री के खिलाफ सुरक्षा उपायों को मजबूत किया जाना चाहिए।

माता-पिता को भी जागरूकता कार्यक्रमों की आवश्यकता है जो प्रदर्शन-आधारित अपेक्षाओं के बजाय सहायक संचार पर जोर दें। मीडिया और शैक्षणिक संस्थानों को सफलता को केवल परीक्षा रैंक के साथ जोड़ने के बजाय विविध करियर मार्गों का सम्मान करना चाहिए।

अंततः, भारत का जनसांख्यिकीय लाभांश तभी प्राप्त किया जा सकता है जब शिक्षा बौद्धिक उत्कृष्टता के साथ-साथ भावनात्मक लचीलापन (resilience), सहानुभूति और नैतिक विकास को बढ़ावा दे। इसलिए छात्र मानसिक स्वास्थ्य की रक्षा करना केवल एक स्वास्थ्य सेवा दायित्व नहीं है, बल्कि राष्ट्र की मानव पूंजी और मानव गरिमा के प्रति संवैधानिक प्रतिबद्धता में एक आवश्यक निवेश है।